

16

::श्री::



न्यायालय राजस्व मंडल ज्वेलियर, म० १० कैम्प इन्डोर
PB 2/ निगरानी झाबुआ भू.सं. 2017/ 6247 न्यायालय राजस्व इन्डोर संमान इन्डोर

1. नाथु पिता भेरीया कटारा भील
2. शंकर पिता भेरीया कटारा भील
3. मंगलिया पिता भेरीया कटारा भील
4. सुरतान पिता भेरीया कटारा भील
5. कान्ता बेवा सोहन कटारा भील समस्त निवासी ग्राम सागडीया तहसील पेटलावद जिला झाबुआ म.प्र.

श्री श्री 2 4121912
प्रार्थी/अभिभाषक द्वारा दिनांक 05-12-17
को प्रस्तुत।

973
05-12-2017

अधीक्षक

रिविजनकर्तागण

विरुद्ध

मांगु पिता बद्धा कटारा भील निवासी ग्राम सागडीया तहसील पेटलावद जिला झाबुआ म.प्र.

अनावेदक

रिविजन अन्तर्गत धारा 50 म.प्र.भू.सं.

माननीय महोदय,

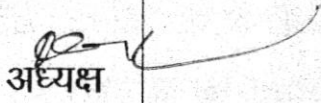
उपरोक्त उनवान की रिविजन रिविजनकर्तागण की ओर से अधिनस्थ न्यायालय श्रीमान् तहसीलदार महोदय पेटलावद के राजस्व प्रकरण क्र 3/अ-70/2016-17 में पारीत अंतरीम प्रोसेडिंग आदेश दिनांक 09.10.2017 के विरुद्ध अनेकानेक कारणों से व्यथित होकर श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत की जा रही है।

च. अम्बे
19-12-2017
5141
MB

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक पीबीआर / निगरानी / झाबुआ / भूरा / 2017 / 6247

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
2-1-2018	<p>आवेदक अधिवक्ता द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । अधीनस्थ तहसीलदार तहसील पेटलावद जिला झाबुआ के न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 9-10-2017 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । तहसीलदार के आदेश के अवलोकन से स्पष्ट है कि उनके द्वारा राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत सीमांकन प्रतिवेदन व पंचनामा को संहिता के प्रावधानों के अन्तर्गत विधिवत् नहीं पाते हुये संदेहास्पद पाया है । तहसीलदार का यह निष्कर्ष प्रकरण में संलग्न स्थल पंचनामों की छायाप्रति के अवलोकन से प्रथमदृष्टया सही दिखलाई पड़ता है । इसलिये तहसीलदार ने जो आवेदक द्वारा संहिता की धारा 32 एवं व्यवहार प्रकिया संहिता के आदेश 7 नियम 11 का आवेदन अस्वीकार कर प्रकरण मूल आवेदन के निराकरण हेतु नियत किया गया है, जिसमें कोई अवैधानिकता अथवा अनियमितता परिलक्षित नहीं होती है । अतः प्रथमदृष्टया यह निगरानी आधारहीन होने से अग्रग्राह्य की जाती है ।</p>	<p align="right">  अध्यक्ष </p>